लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

# University in News on 31 August 2023

## HINDUSTAN PAGE 8

लखनऊ विश्वविद्यालय के 21 और कोचिंग संस्थानों के कई विद्यार्थियों ने भी परीक्षा पास की

# लखनऊ के मेधावी पीसीएस जे में छाए

**सफलता**

लखनऊ, संवाददाता। यूपीपीएससी द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा- 2022 में 302 अभ्यर्थियों ने सफलता अर्जित की है। इसमें लखनऊ के 24 से अधिक अभ्यर्थी शामिल हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में 2 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की है। अभिव्यक्ता जो. बीही सिंह ने कहा कि पूरी पीसीएस-जे परीक्षा में सर्वेश पाण्डेय, अर्जिता वर्मा, मोहम्मद जुनैद, विवेक दुबे, पवन कुमार शर्मा, जागृति, अंजू यादव, अभिनव त्रिपाठी, कमलकांत तिवारी, बृजेश पटेल, नीरज यादव, उर्फी आजमी, विभा, रश्मि सिंह, सृष्टि शुक्ला, तान्या शर्मा, यशी पांडे, शमिष्ठा साहू, वंशिका श्रीवास्तव, रेनू गौतम और आकांक्षा मिश्रा सफल हुए हैं।

प्रभुद आईएएस के निदेशक डॉ. पीआर सिंह के मुताबिक कोचिंग संस्थान से हर्षिता सिंह, नीलांचल चौधरी, अंकित मणुहि मिश्रा, धीरेंद्र कुमार, धीरज वर्मा और रोहनी तिवारी ने शहर का नाम रोशन किया है। बीबीएयू से पीएचडी कर रहे पारितोष प्रकाश और मेरठ के एक कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर अमनदीप ने भी परीक्षा में परचम लहराया है।

**पान व्यापारी की बेटी:** पिता पान व्यापारी और इंटरमीडिएट पास। मां की

समीक्षा अधिकारी अविनाश ने भी सफलता हासिल की।

**समीक्षा अधिकारी अविनाश को मिली सफलता**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा-2022 में अविनाश कुमार को सफलता मिली है। अविनाश कुमार के पिता शिव शैलेंद्र सिंह यादव लोकायुक्त उत्तर प्रदेश में, जबकि माता श्रीमती प्रेमकला सिंह भी न्यायिक सेवा की अधिकारी रही हैं और वर्तमान में सेयरमैन, पब्लिक एंड प्राइवेट प्रॉपर्टी डैमेज रिकवरी ट्रिब्यूनल के पद पर तैनात हैं। मेधावी अविनाश, वर्तमान में विधान सभा सचिवालय में समीक्षा अधिकारी पद पर कार्यरत हैं। इनके गृह जनपद आजमगढ़ में खुशी की लहर दौड़ गई है।

**10** शीर्ष सफल अभ्यर्थियों में लखनऊ की हर्षिता सिंह छठे स्थान पर

**बातचीत**

**66** एलएलबी ऑनर्स के बाद मुझे भारत की सबसे पुरानी लॉ फर्म में 27 लाख के पैकेज पर काम करने का मौका मिला। एमपी-नायिक सेवा में 27 रैंक मिली। - हर्षिता सिंह (06)

दूसरे प्रयास में 14वीं रैंक हासिल हुई है। सफलता के लिए सबसे अधिक मदद मौक टेस्ट से मिली। इसके साथ सेल्फ स्टडी भी जमकर की। पिता बैंक में अधिकारी और मां गृहिणी हैं। - आकांक्षा मिश्रा (14)

बीबीएयू से पीएचडी कर रहा हूं। पापायर्स एलएलबी प्रदत्त से एलएलबी ऑनर्स और एलएलबी भोपाल से एलएलएम किया है। एलएलबी करते वक्त ही न्यायिक सेवा में आने का फैसला किया था। मां, पिता और गुरुओं की दुआ से सफलता मिली है। - पारितोष प्रसाद (रैंक- 104)

एलएलबी की पढ़ाई के साथ ही न्यायिक सेवा में जाने का सपना हुआ किया था। एलएलबी और बीएयू से एलएलएम किया। एलएलबी की परीक्षा के दौरान ही न्यायिक सेवा में चयन हुआ। राज्य स्तर पर 300वीं रैंक प्राप्त हुई है। पिता राजकुमार राम रेलवे में अधिकारी व मां सुनैना गृहिणी हैं। मन लगाकर पढ़ाई करने से सफलता जरूर मिलेगी। - जागृति (रैंक-300)

तीन महीने पहले ही मेरठ में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर ज्वाइन किया। कोई कोचिंग नहीं की। रोज 8-10 घंटे सेल्फ स्टडी कर सफलता मिली। इसका श्रेय मेरी मां, दोनों मामाओं व मुझे गाइड करने वाले शिक्षक धीरेंद्र प्रकाश सिंह को जाता है। - अमनदीप (रैंक-230)

पढ़ाई भी बस इतनी ही है, लेकिन दोनों ने मिल कर बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया, माहौल दिया और बच्चे कमाल करते गए। बड़ी बेटी और बेटा इंजीनियर बने और अब छोटी बेटी पास हो गई। पापायर्स- जे टॉप करके जज बन गई है। कानपुर के पान व्यापारी निरंकार गुप्ता की बेटी निशि गुप्ता ने परिवार के साथ पूरे शहर को गौरवान्वित किया है। निरंकार ने बताया कि मैं भी खूब पढ़ना चाहता था पर इंटरमीडिएट के बाद आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण पढ़ाई नहीं हो सकी। तभी सोचा था कि बच्चों को अफसर बनाना है। निशि की कामयाबी से सपना पूरा कर दिया।

## i-NEXT PAGE 3

# तीन विभागों में छह शिक्षकों की नियुक्ति

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में बुधवार को कार्य परिषद की बैठक में कई शिक्षकों की किस्मत चमक गई। अलग-अलग विभागों में छह शिक्षकों की नियुक्ति पर मुहर लगी। कंप्यूटर साइंस विभाग के दो शिक्षकों को पदोन्नति देने का भी निर्णय हुआ। कार्यपरिषद की बैठक में व्यापार प्रशासन विभाग में एक और मानवशास्त्र विभाग में तीन असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर नियुक्ति की गई है।

समाज शास्त्र विभाग में एक प्रोफेसर व एक एसोसिएट प्रोफेसर पद पर नियुक्ति के लिए पात्र शिक्षकों को अनुमोदन प्रदान किया गया है। जबकि कंप्यूटर विज्ञान विभाग में तीन प्रतिष्ठत वृद्धि स्वीकृत की गई है।

# हर्षिता के 'सिक्सर' ने बढ़ाया शहर का मान

पीसीएस-जे में रहानाती के लोनबटों से उछराया परचम

LUCKNOW (30 Aug, inext): उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा का रिजल्ट बुधवार को जारी कर दिया गया। इसमें लखनऊ के कई होनहारों ने बाजी मारी है. हर्षिता सिंह ने यहां छठी रैंक हासिल कर राजधानी का मान बढ़ाया है.

**फादर का सपना किया पूरा**

मेरे फादर रीतेश कुमार तिवारी का सपना था कि घर में कोई जज हो. उनका सपना पूरा करने के लिए मैंने तो एग्जामिन दिया था. यश ही नहीं, साथियों ने भूल कर दी. जो के टीचर डॉ. दीक्षर सिंह मेरे मेंटर बने. अंत में जो भी हुं, उनकी दुआ से ही हुं, उन्होंने ही मुझे पूरी तैयारी कराई और सभी की बदौलत ये अपना कराया. जिसकी वजह से आज मैं यह सफलता हासिल कर सका हुं. यह भाई प्रभुद का संस्थान रीजनल ऑफिस ऑफिसर के पद पर हुआ है. जो इस समय में ट्रेनिंग कर रहे हैं. मैं इस समय लखनऊ यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रही हुं.

**पिता हैं मेरे आदर्श**

जौनपुर में जन्मजात के लिए हर दिया उन्हें समय देना जरूरी है. अपनी गतिविधियों को पढ़ाना. मैंने अपने दूसरे प्रयास में यह सफलता हासिल की है. पहले प्रयास में मैं हताश हो गई थी. जिसमें सफल नहीं होने के बाद भी मैंने हार नहीं मानी. अपनी इस सफलता का पूरा श्रेय मैं अपने पिता सहित सभी शिक्षकों को देती हुं, जो डिप्टिएट कॉलेज के जज रह हैं. पर भाई प्रभुद पर पांच साल से संघर्ष कर रहा हुं.

**परिवार से मिली प्रेरणा**

मेरे पापर रिटायर हैं, जबकि मेरे दो भाई और एक भाभी भी जज हैं. लाजऊनी एडीशनल एसडी हैं. पर मैं महीने ही ऐसा रहा जिसमें मुझे भी इस सफलता के जश्न के लिए हरवा दी. इससे पहले 2021 में एलएलएम अध्ययनरत से किया. इस समय बेहद एक्टिव जज कर रहा हुं. जिसके बाद आज जौनपुरी में आया हुं. यूपी में पहले ही प्रयास में सफलता हासिल करने वाली हुं. इसमें तैयारी के लिए कारवॉर पर लाजऊनी जी ग्राइंस मिली. जिसकी बदौलत उनसे ऐसा करवाती हुं. जी के लिए पुरानी पेपर देते और मॉक इंटरव्यू किए. इससे एलयू से भी दवायी मिली है.

**एलयू से मिली बहुत मदद**

पहले इस एग्जाम के बारे में कुछ नहीं पता था. पर जब एलयू में लॉ में एडमिशन लिया, तो टीचर्स ने इसे बारे बारीकर से बताया. जिसके बाद मैंने एग्जाम करवाया. जिसके बाद मैंने उसके से ऊंचाई पाना चुका दिया और इस दिशा में काम करने लगी. जिसमें मुझे इस सफलता में जज की हरवा मिली. जिसके बाद तैयारी के लिए सेल्फ स्टडी चुना कर दी. इसमें सीनियर और टीचर्स ने हेल्प दी थी. सेल्फ के अंसर लिखकर उनसे चेक कराती थी. डी के लिए पुरानी पेपर देते और मॉक इंटरव्यू किए. इससे एलयू से भी दवायी मिली है.

**जागृति, 97वीं रैंक**

कमलकांत तिवारी, 298वीं रैंक

**यशी पांडेय, 99वीं रैंक**

**आकांक्षा मिश्रा, 169वीं रैंक**

## JAGRAN CITY PAGE III

# पीसीएस जे परिणाम घोषित, लखनऊ की हर्षिता को प्रदेश में छठी और आकांक्षा को 14वीं रैंक

जागरण संवाददाता, लखनऊ : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से बुधवार को जारी उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन)' परीक्षा परिणाम में लखनऊ के मेधावियों ने बाजी मारी है। यहां की टापर हर्षिता सिंह को प्रदेश में छठी रैंक मिली है। वहीं, आकांक्षा मिश्रा 14वीं, रुतंमभरा तिवारी-28, परितोष प्रकाश 104, अंजू यादव 116, अर्जिता वर्मा 125वीं, रैंक, सर्वेश कुमार पांडेय 149 रैंक, विवेक दुबे 114 रैंक, पवन कुमार शर्मा 41 रैंक, अभिनव त्रिपाठी रैंक 56वीं रैंक लाने में सफल रहे। इस परीक्षा में अकेले लखनऊ विश्वविद्यालय के 21 छात्र-छात्राओं ने बाजी मारी है।

**नौकरी छोड़कर की तैयारी**

मैंने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पटियाला से आगे की पढ़ाई की। आठ गोल्ड मेडल और 68 मेरिट प्रमाणपत्र मिले। उसके बाद दिल्ली की एक बड़ी लॉ फर्म में दो से तीन साल तक नौकरी की। इस दौरान पीसीएस जे की तैयारी करती रही। पीसीएस जे मेरा प्रदेश में 27वीं रैंक पर चयन हुआ तो नौकरी छोड़ दी।

हर्षिता सिंह, छठी रैंक

**पहले एपीओ, अब पीसीएस जे**

लखीमपुर खीरी की शिवाली मिश्रा नौवें स्थान पर रहीं हैं। वर्तमान में विधान सभा सचिवालय में समीक्षा अधिकारी पद पर कार्यरत हैं। इनके गृह जनपद आजमगढ़ में खुशी की लहर दौड़ गई है।

**समीक्षा अधिकारी अविनाश को मिली सफलता**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा-2022 में अविनाश कुमार को सफलता मिली है। अविनाश कुमार के पिता शिव शैलेंद्र सिंह यादव लोकायुक्त उत्तर प्रदेश में, जबकि माता श्रीमती प्रेमकला सिंह भी न्यायिक सेवा की अधिकारी रही हैं और वर्तमान में चेयरमैन, पब्लिक एंड प्राइवेट प्रॉपर्टी डैमेज रिकवरी ट्रिब्यूनल के पद पर तैनात हैं। वर्तमान से ही मेधावी अविनाश, वर्तमान में विधान सभा सचिवालय में समीक्षा अधिकारी पद पर कार्यरत हैं।

**अविनाश को भी मिली सफलता :** अविनाश कुमार के पिता शिव शैलेंद्र सिंह यादव लोकायुक्त उत्तर प्रदेश में, जबकि माता श्रीमती प्रेमकला सिंह भी न्यायिक सेवा की अधिकारी रही हैं और वर्तमान में चेयरमैन, पब्लिक एंड प्राइवेट प्रॉपर्टी डैमेज रिकवरी ट्रिब्यूनल के पद पर तैनात हैं। मेधावी अविनाश, वर्तमान में विधान सभा सचिवालय में समीक्षा अधिकारी पद पर कार्यरत हैं।

**अंग्रेजी व हिंदी में खूब की मेहनत**

बीए एलएलबी आनर्स वनगाउस नेशनलता यूनिवर्सिटी पटना और भोपाल से एलएलएम की पढ़ाई करने के बाद अभी बीबीएयू लखनऊ से पीएचडी कर रहा हूं। अंग्रेजी और हिंदी में मैंने काफी मेहनत किया। पाच जब प्रयास में पीसीएस जे में सफलता मिली। पाच सीनियर जज और अनेकों ने पढ़ाने में काफी मेहनत किया।

नारायण पैरवाल्वी बेक से टीएटर हैं। मम्मी जय प्रेमवती तिवारी हैं।

रुतंमभरा तिवारी, 28 रैंक

**पढ़ाने के साथ पढ़ाई की**

2013 में यूपी बोर्ड 12वीं परीक्षा में पहली रैंक आई थी। तीसी से एलएलबी आनर्स की पढ़ाई करने के बाद। बीएयू से एलएलएम किया। तीसी से पीएचडी कर रही हूं। कोचिंग में पढ़ाने के साथ-साथ अपनी भी तैयारी करती रही। पहली बार में सफलता मिली।

अंजू यादव, 116 रैंक

**हर विषय पर किया फोकस**

तीसी से 2017 में एलएलबी करने के बाद डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय से एलएलएम की पढ़ाई की। अभी तीसी से पीएचडी कर रही हूं। 2016-17 में पीसीएस परीक्षा 20 के पास हुई थी, उसमें नहीं सफलता मिली। मैंने एलाहबी और एलएलएम गोरखपुर यिंगे से किया।

सर्वेश कुमार पांडेय, 149 रैंक

**हिंदी माध्यम से की तैयारी**

पीसीएस जे में हिंदी माध्यम से तैयारी करने में काफी मेहनत की। माध्य हंटरयुग भी दिए। 2018 में जब पहली बार परीक्षा देनी थी तो अंगुली में चोट लगने से रह गया। सेक्स स्टडी नहीं रखी। 10-15 घंटे पुराने पेपर हल किए। अंत सफलता मिली। मैंने एलाहबी और एलएलएम गोरखपुर यिंगे से किया।

रुतंमभरा तिवारी, 28 रैंक

**गलतियों को पहचानना जरूरी**

जुहिलगी में सफलता के लिए हर दिया को समय देना जरूरी है। अपनी गलतियों को पहचाने। इससे प्रयास में सफलता मिल गई। मैंने एलएलबी अहमदाबाद और एलएलएम नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी ओलफ्तास से किया।

परितोष प्रकाश, 104 रैंक

**मेहनत से मिली सफलता**

परीक्षा के लिए निरंतर मेहनत करना रहा। सफलता मिलने से खुश हूं। पिता डीके सिंह उप लोकायुक्त हैं, माता प्रभदता सिंह भी न्यायिक सेवा की अधिकारी रही हैं और वर्तमान में चेयरमैन, पब्लिक एंड प्राइवेट प्रॉपर्टी डैमेज रिकवरी ट्रिब्यूनल के पद पर कार्यरत हैं।

अविनाश कुमार

**जज बनने का सपना पूरा**

लखनऊ विश्वविद्यालय से एलएलबी 2022 में ही पूरा हुआ और उसके पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की है।

मूल निवास गोरखपुर का है। अधिवक्ता पीसी तिवारी के घर में जन्मे हैं। प्राथमिक शिक्षा बहराइच जिला से हुई। इसके बाद लखनऊ से सेवानिवृत्त हुए। माता-पिता का नाम नीलम तिवारी है। पहली बार में ही पीसीएस जे में सफलता हासिल की है।

**पहले ही प्रयास में जज बने धीरेंद्र**

मूल निवास गोंडा जिले का है। गोमतीनगर विज्ञान खंड में रहकर तैयारी की। पिता रामकरन पांडेजी लखनऊ से सेवानिवृत्त हैं, माता का नाम मैनू है। 2021 में पीसीएस में एलएलबी करने के बाद पहले ही प्रयास में सफलता मिली।

धीरेंद्र कुमार पांडे, 272वीं रैंक

**अभियोजन अधिकारी का चयन**

नीरज यादव ने 103वीं रैंक हासिल की है। प्रशासन जिले के मुख्य निजरी नीरज के पिता हिंदया बहादुर यादव सिचिलन इंजीनियर व माता प्रतिभा यादव गृहिणी हैं। इन दिनों दिल्ली में अभियोजन अधिकारी के पद पर तैनात हैं, कुछ दिन पहले पूर्वी में भी अभियोजन अधिकारी के पद पर चयन हुआ।

**हिंदी माध्यम से की तैयारी**

पीसीएस जे में हिंदी माध्यम से तैयारी करने में काफी मेहनत की। माध्य हंटरयुग भी दिए।

2018 में जब पहली बार परीक्षा देनी थी तो अंगुली में चोट लगने से रह गया। सेक्स स्टडी नहीं रखी। 10-15 घंटे पुराने पेपर हल किए। अंत सफलता मिली। मैंने एलएलबी और एलएलएम गोरखपुर यिंगे से किया।

सर्वेश कुमार पांडेय, 149 रैंक

**सेल्फ स्टडी से तैयारी**

रोज 8 घंटे सेल्फ स्टडी करती थी। कोचिंग नहीं की। पहले अटेम्प्ट में एग्जाम क्लीयर किया। इसी सत्र एमपी जुडिशल सर्विसेज में 27वीं रैंक मिली। खुशी शिक्षा लीरियो कॉन्वेंट से की। फिर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पंजाब से बीए, एलएलबी ऑनर्स की पढ़ाई की। इसमें 9 गोल्ड मेडल और 68 मेरिट सर्टिफिकेट मिले। दिल्ली में बड़ी लॉ फर्म के साथ काम करते हुए दोनों एग्जाम पास किए।



**सृजदि मिश्रा, 65वीं रैंक, त्रिलोचीनगर**



**हर्षिता सिंह, 6ठी रैंक, त्रिलोच खंड, गोमतीनगर**

**सेम्सेंट बांटकर पढ़ाई**

सेम्सेंट में बांटकर पढ़ते। पहले के पेपर और जजमेंट पर फोकस रखें। साइस से 12वीं के बाद जज बनने का सपना देखा। एलयू से पढ़ाई की। 2022 में क्लैट पीजी में पहली रैंक आई थी। बेंगलुरु फाइट पीजी में लॉ जॉइन किए। एपी में सिविल जज के पद पर सिलेक्शन हुआ है। अब यूपी में जॉइन करेंगी। पिता कवीन्द्र हैं।



**श्रेय कुमार वर्मा, 199 रैंक, डालीगंज**

**घंटे गिनकर तैयारी नहीं**

घंटे गिनकर तैयारी नहीं हो सकती। राम मनोहर लोहिया से एलएलबी और एलयू से एलएलएम किया। घंटे गिनकर पीसीएसजे की तैयारी नहीं हो सकती। पी के साथ नेस्स की सहता तिए बिना लिखे अपनी थिंकाय पर फोकस किया। हर्षिता रोजाना कम से कम आठ घंटे पढ़ते करने की सलाह देती हैं। (साई सिटी रिपोर्टर)

**संशोधन पर फोकस**

पिता प्रयागराज में रहते हैं। वह किसान हैं। उनके लिए पढ़ाना आसान नहीं था तो मुझे मेरे बाबा लखनऊ ले आए।

**प्रज्ञा पांडेय, 162वीं रैंक, अलीगंज**

उन्होंने ही खर्च उठाया। उनके सपना पर वह खरे उतरे। उनके सपने को देखते हुए पढ़ाई की। एलयू से एलएलबी के बाद परीक्षा की तैयारी शुरू की। पहले ही प्रयास में सफलता मिली है।



**ये भी बनेंगे जज**



धीरजनरसन सविवेदना में रजनीश अधिकारी पद पर रैनन्य अधिनाश कुमार सिंह को भी सफलता मिली है। पिता ठीके सिंह उप लोकायुक्त हैं। माता प्रेमकला सिंह पब्लिक ऐंड प्राइवेट प्रॉपर्टी डैमेज रिकवरी ट्रिब्यूनल में चेयरमैन हैं।



**रोलेबीम निजसी शम्पिया साहु को 169 रैंक मिली। उनके पिता एडवोकेट हैं। एलयू से एलएलएम कर रही हैं।**

**लखनऊ विश्वविद्यालय के 21 छात्र-छात्राएं भी हुए चयनित**

## PIONEER PAGE 3

# पीसीएस जे का परिणाम जारी, शहर के चमके मेधावी

**● न्यायिक सेवा सिविल जज परीक्षा में लविवि के छात्रों ने हासिल की सफलता**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**उत्तर प्रदेश** लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित उप न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया गया। आयोग की ओर से जारी परीक्षा परिणाम के अनुसार टॉप 20 में 15 लड़कियों ने स्थान बनाने में कामयाब रही हैं। आयोग ने राज्य न्यायिक सेवा की चयन प्रक्रिया को साढ़े 6 महीने के अंदर पूरा किया है। वहीं साक्षात्कार खत्म होने के 48 घंटे के अंदर ही रिजल्ट घोषित कर दिया है। पीसीएस जे रिजल्ट 2022 में कुल 303 अभ्यर्थी चयनित हुए थे। जिसमें 165 लड़कियां हैं यानी कुल 55 फीसदी लड़कियों ने इस परीक्षा में सफलता पाई है। जारी परिणाम में लविवि के विधि संकाय के अभ्यर्थियों ने शानदार सफलता हासिल की है।

प्रो पूनम टंडन, अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा कि हालांकि लविवि के विधि संकाय को सबसे बेहतरीन विभागों में से एक माना जाता है और यहां पर होने वाले प्रतियोगी परीक्षाओं में अभ्यर्थियों ने नियमित रूप से सफलता प्राप्त की है। यह नतीजा इस परंपरा का एक और शानदार उदाहरण है। प्रो. वी.डी सिंह डीन विधि संकाय ने कहा कि इस बार की सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा में असिस्टेंट प्रोफेसर पूनम सिंह और यशी पांडे ने टॉप 20 में स्थान बनाया है। इसी तरह पांच साल पूर्व कर चुके विधि के अंतर ही रिजल्ट घोषित कर दिया है। पीसीएस जे रिजल्ट 2022 में कुल 303 लड़कियों ने सफलता हासिल की है। इसमें 165 लड़कियां हैं यानी कुल 55 फीसदी लड़कियों ने इस परीक्षा में सफलता पाई है। जारी परिणाम में लविवि के विधि संकाय के अभ्यर्थियों ने शानदार सफलता हासिल की है।

**उप लोकायुक्त के पुत्र अविनाश को पीसीएस जे में मिली सफलता**

उप लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा सिविल जज (जूनियर डिवीजन) परीक्षा 2022 में अविनाश कुमार को सफलता मिली है। अविनाश कुमार के पिता पिता डीके सिंह उप लोकायुक्त उत्तर प्रदेश हैं, जबकि माता प्रेमकला सिंह भी न्यायिक सेवा की अधिकारी रही हैं और वर्तमान में चेयरमैन, पब्लिक एंड प्राइवेट प्रॉपर्टी डैमेज रिकवरी ट्रिब्यूनल के पद पर तैनात हैं। मेधावी अविनाश, वर्तमान में विधान सभा सचिवालय में समीक्षा अधिकारी पद पर कार्यरत हैं। इनके गृह जनपद आजमगढ़ में खुशी की लहर दौड़ गई है।

**लहराया कामयाबी का परचम, रक्षाबंधन पर मिली सौगात**

**मोहनलालगंज।** प्रयागराज की बेटी ने पीसीएस जे की परीक्षा में कामयाबी का परचम लहराया है। रक्षाबंधन के मौके पर रोली ने अपने परिवार को यह सौगात दी है। बुधवार को आए उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा 2022 के परीक्षा परिणाम में रोली तिवारी को 84 वीं रैंक हासिल हुई है। रोली के बड़े भाई आनन्द कुमार तिवारी राजधानी की मोहनलालगंज तहसील में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं। रोली उन्हीं के साथ लखनऊ में रहकर तैयारी कर रही थी। कड़ी मेहनत और लगन के बलबूते उसने दूसरे ही प्रयास में कामयाबी हासिल की है। उसकी सफलता पर बुधवार को रिश्तेदारों परिचितों और सहपाठियों समेत अन्य लोगों का बधाई देने के लिए तांता लगा रहा। तहसीलदार आनन्द कुमार तिवारी ने इस उपलब्धि को छोटी बहन रोली के अथक परिश्रम और माता.पिता गुरुजनों व मित्रों और सहयोगियों की शुभकामनाओं की देन बताया है।

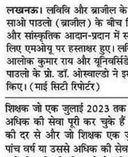

**रोली तिवारी चयनित :** पीसीएस जे की परीक्षा में कामयाबी का परचम लहराते हुए रोली तिवारी ने 84 वीं रैंक हासिल कर वर्तमान समय में मोहनलालगंज तहसील में तहसीलदार के पद पर तैनात अपने बड़े भाई आनंद तिवारी सहित पूरे परिवार का मान बढ़ाया है। उसकी सफलता पर बधावार को रिश्तेदारों परिचितों और सहपाठियों समेत अन्य लोगों का बधाई देने के लिए तांता लगा रहा।

**अविनाश को भी मिली सफलता :** अविनाश कुमार के पिता शिव शैलेंद्र सिंह यादव लोकायुक्त उत्तर प्रदेश हैं, जबकि माता श्रीमती प्रेमकला सिंह भी न्यायिक सेवा की अधिकारी रही हैं और वर्तमान में चेयरमैन, पब्लिक एंड प्राइवेट प्रॉपर्टी डैमेज रिकवरी ट्रिब्यूनल के पद पर तैनात हैं। मेधावी अविनाश, वर्तमान में विधान सभा सचिवालय में समीक्षा अधिकारी पद पर कार्यरत हैं।

**अविनाश कुमार**

## NBT PAGE 5

यूपीपीसीएस-जे में राजधानी की हर्षिता सिंह को 6वीं रैंक

# जुडिशरी में चमका लखनऊ

**सेल्फ स्टडी से तैयारी**

रोज 8 घंटे सेल्फ स्टडी करती थी। कोचिंग नहीं की। पहले अटेम्प्ट में एग्जाम क्लीयर किया। इसी सत्र एमपी जुडिशल सर्विसेज में 27वीं रैंक मिली। खुशी शिक्षा लीरियो कॉन्वेंट से की। फिर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पंजाब से बीए, एलएलबी ऑनर्स की पढ़ाई की। इसमें 9 गोल्ड मेडल और 68 मेरिट सर्टिफिकेट मिले। दिल्ली में बड़ी लॉ फर्म के साथ काम करते हुए दोनों एग्जाम पास किए।



**सृजदि मिश्रा, 65वीं रैंक, त्रिलोचीनगर**



**हर्षिता सिंह, 6ठी रैंक, त्रिलोच खंड, गोमतीनगर**

**सेम्सेंट बांटकर पढ़ाई**

सेम्सेंट में बांटकर पढ़ते। पहले के पेपर और जजमेंट पर फोकस रखें। साइस से 12वीं के बाद जज बनने का सपना देखा। एलयू से पढ़ाई की। 2022 में क्लैट पीजी में पहली रैंक आई थी। बेंगलुरु फाइट पीजी में लॉ जॉइन किए। एपी में सिविल जज के पद पर सिलेक्शन हुआ है। अब यूपी में जॉइन करेंगी। पिता कवीन्द्र हैं।



**श्रेय कुमार वर्मा, 199 रैंक, डालीगंज**

**घंटे गिनकर तैयारी नहीं**

घंटे गिनकर तैयारी नहीं हो सकती। राम मनोहर लोहिया से एलएलबी और एलयू से एलएलएम किया। घंटे गिनकर पीसीएसजे की तैयारी नहीं हो सकती। पी के साथ नेस्स की सहता तिए बिना लिखे अपनी थिंकाय पर फोकस किया। हर्षिता रोजाना कम से कम आठ घंटे पढ़ते करने की सलाह देती हैं। (साई सिटी रिपोर्टर)

**संशोधन पर फोकस**

पिता प्रयागराज में रहते हैं। वह किसान हैं। उनके लिए पढ़ाना आसान नहीं था तो मुझे मेरे बाबा लखनऊ ले आए।

**प्रज्ञा पांडेय, 162वीं रैंक, अलीगंज**

उन्होंने ही खर्च उठाया। उनके सपना पर वह खरे उतरे। उनके सपने को देखते हुए पढ़ाई की। एलयू से एलएलबी के बाद परीक्षा की तैयारी शुरू की। पहले ही प्रयास में सफलता मिली है।



**ये भी बनेंगे जज**



धीरजनरसन सविवेदना में रजनीश अधिकारी पद पर रैनन्य अधिनाश कुमार सिंह को भी सफलता मिली है। पिता ठीके सिंह उप लोकायुक्त हैं। माता प्रेमकला सिंह पब्लिक ऐंड प्राइवेट प्रॉपर्टी डैमेज रिकवरी ट्रिब्यूनल में चेयरमैन हैं।



**रोलेबीम निजसी शम्पिया साहु को 169 रैंक मिली। उनके पिता एडवोकेट हैं। एलयू से एलएलएम कर रही हैं।**

**LU: कार्य परिषद की बैठक में खुले नियुक्ति के लिफाफे**

■ एनबीरी, लखनऊ: एलयू में बुधवार को कार्य परिषद की बैठक में मानवे प्रशासन, मानवशास्त्र और समाजशास्त्र विभाग में नई नियुक्तियों के लिए लिफाफे खोले गए। इसके साथ प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर ए-एल-एफ और असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर 4 शिक्षकों की नियुक्ति मिली। इसी तरह कंप्यूटर विज्ञान विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर पूर्वेन्द्र सिंह और यमी चन्द्रीवाल की असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर पदोन्नति के लिफाफे खुले।

**'बंदिदा शिक्षकों का बढ़ा वेतनः** इंजिनियरिंग संकाय में संविदा पर कार्यरत शिक्षकों को प्रति वर्ष 3 प्रतिशत वेतनवृद्धि मिलेगी। एक जुलाई 2023 तक वैन वर्ष या उससे अधिक की सेवा पूरी कर चुके शिक्षकों को 3 प्रतिशत वेतनवृद्धि मिलेगी। इसी तरह पांच साल पूरा कर चुके शिक्षकों को फीसदी अतिरिक्त वेतनवृद्धि मिलेगी।

**ब्राजील के विवि से LU का एमओयू**

■ एनबीरी, लखनऊ: लविवि के शिक्षा, अनुशासन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को लेकर लखनऊ यूनिवर्सिटी और ब्राजील की साओ पाउलो यूनिवर्सिटी के बीच बुधवार को एमओयू साइन किया गया। एमओयू पर एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की ओर से प्रो. वेलेरिया देलाज द. 10 यहि बैठक करेंगी। दोनों देशों के बीच में छात्र-छात्राओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच में शिक्षकों के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।

## VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

**संविदा पर कार्यरत शिक्षकों बढ़ा वेतन**

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में बुधवार को कार्यपरिषद की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। इसमें विधान विभाग में प्रोफेसर पद पर एक, एसोसिएट प्रोफेसर पद पर दो तथा असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चार रिक्तियों को भरा। कंप्यूटर विज्ञान विभाग में डॉ. पुनीत मिश्रा और डा एसपी कनौजिया को असिस्टेंट प्रोफेसर स्टेज थर्ड से एसोसिएट प्रोफेसर स्टेज फोर्थ पर प्रोन्नति प्रदान की गई। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में संविद पर कार्यरत शिक्षकों को वार्षिक वेतन वृद्धि दिये जाने के लिए समिति द्वारा सर्वसम्मति से प्रति वर्ष जुलाई माह में तीन प्रतिशत का वेतन वृद्धि नियामनुसार अनुमन्य किये जाने पर सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। जिसमें ऐसे शिक्षक जो 01 जुलाई, 2023 तक 05 वर्ष या उससे अधिक की सेवा पूर्ण कर चुके हों, उन्